

नामांक	Roll No.

No. of Questions — 15

No. of Printed Pages — 3

## VU—20—1—Sans. Vangmay I

### वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2011

संस्कृत वाङ्मय ( अनिवार्य )

प्रथमपत्रम्

समय :  $3 \frac{1}{4}$  घण्टे

पूर्णांक : 60

#### परीक्षार्थीभ्यः सामान्यनिर्देशः:

- (1) परीक्षार्थीभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्कः अनिवार्यतः लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) प्रत्येक प्रश्नस्योत्तरमुत्तरपुस्तिकायामेव देयम् ।
- (4) प्रत्येक प्रश्नभागस्योत्तरं क्रमानुसारमेकत्रैव लेखितव्यम् ।
- (5) प्रथम प्रश्नस्य चत्वारः ( i, ii, iii एवं iv ) भागाः सन्ति । प्रत्येक भागस्य उत्तरस्य चत्वारः ( अ, ब, स एवं द ) विकल्पाः सन्ति । समुचित विकल्पस्य उत्तराक्षरं उत्तर-पुस्तिकायां निम्नलिखित तालिकां निर्माय एकस्मिन् स्थाने एव लेखनीयम् ।

प्रश्न क्रमाङ्कः	समुचितम् उत्तराक्षरम्
1. (i)	
1. (ii)	
1. (iii)	
1. (iv)	

- |     |   |                              |  |  |                  |
|-----|---|------------------------------|--|--|------------------|
| 1.  | (i) 'पवित्रम्' इत्यत्र प्रकृति-प्रत्ययौ स्तः —                              |                              |  |  |                  |
|     | (अ) पूज् + इत्र   | (ब) पव् + इत्र               |  |  |                  |
|     | (स) पवि + त्रल्   | (द) पू + इत्र !              |  |  |                  |
|     |   |                              |  |  | 1                |
|     | (ii) 'भूतपूर्वः' इत्यत्र केन सूत्रेण समासो भवति ?                           |                              |  |  |                  |
|     | (अ) भूतपूर्वे चरट्  | (ब) सह सुपा                  |  |  |                  |
|     | (स) समर्थः पद विधिः   | (द) प्राक्कडारात् समासः ।    |  |  |                  |
|     |   |                              |  |  | 1                |
|     | (iii) "अवादयः क्रुष्टाद्यर्थे तृतीयया" इति वार्तिकस्योदाहरणमस्ति —          |                              |  |  |                  |
|     | (अ) अतिमालः   | (ब) कुपुरुषः                 |  |  |                  |
|     | (स) अवकोकिलः  | (द) प्राचार्यः ।             |  |  |                  |
|     |   |                              |  |  | 1                |
|     | (iv) "ग्राम जनबन्धुभ्यस्तल्" इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति —                      |                              |  |  |                  |
|     | (अ) बान्धवः   | (ब) कुतः                     |  |  |                  |
|     | (स) ग्रामीणः  | (द) जनता ।                   |  |  |                  |
|     |   |                              |  |  | 1                |
| 2.  | 'शिष्यः' इत्यत्र कः प्रत्ययः ? केन सूत्रेण भवति ?                           |                              |  |  |                  |
| 3.  | 'चरेष्टः' इति सूत्रस्योदाहरणं लेख्यम् ।                                     |                              |  |  |                  |
| 4.  | बाहुलकं कति विधिं भवन्ति ?  |                              |  |  |                  |
| 5.  | "रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च द" इति सूत्रस्य सोदाहरणमर्थो लेखनीयः ।     |                              |  |  |                  |
| 6.  | 'शिखावलः' इत्यत्र कः प्रत्यय ? केन सूत्रेण भवति ?                           |                              |  |  |                  |
| 7.  | 'शुक्रियम्' इत्यत्र कः प्रत्ययः ? केन सूत्रेण भवति ?                        |                              |  |  |                  |
| 8.  | "आयनेयीनीयिः फढ़खछघां प्रत्ययादीनाम्" इति सूत्रस्यार्थं सोदाहरणं स्पष्टयत । |                              |  |  |                  |
| 9.  | अधोलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणं व्याख्या कार्या —                      |                              |  |  | $2 \times 2 = 4$ |
|     | (i) ऋहलोर्ण्यत्   | (ii) विदेः शतुर्वसुः         |  |  |                  |
|     | (iii) विशेषणं विशेष्येण बहुलम्  | (iv) कर्तृकरणे कृता बहुलम् । |  |  |                  |
| 10. | निम्नलिखितेषु चतुर्णां प्रकृति-प्रत्ययानां पदं विधाय वाक्यप्रयोगं कुरुत —   |                              |  |  | $4 \times 1 = 4$ |
|     | (i) दृश + क्त   | (ii) दा + क्त                |  |  |                  |
|     | (iii) यज् + शानच्   | (iv) कृष्णस्य समीपम्         |  |  |                  |
|     | (v) पच + शानच्  | (vi) भवत् + छ                |  |  |                  |
|     | (vii) इदम् + जस् ( स्त्री ) ।   |                              |  |  |                  |

11. चेयम्, प्रियः; मोदः; छिन्नः; मार्ग्यः; शुष्कः एषु चत्वारः प्रयोगाः साधनीयाः ।  $4 \times 2 = 8$
12. उपराजम्, नीलोत्पलम्, चित्रगुः; कण्ठेकालः; व्यूढ़ेरस्कः; ईशकृष्णौ एषु चतुर्प्रयोगानां सिद्धिः कार्या ।  $4 \times 2 = 8$
13. बाहीकः, वैनतेयः, वैयाकरणः, राष्ट्रियः, पण्डितः; लघुतमः एषु चतुण्णा प्रयोगानां सिद्धिर्विधेया ।  $4 \times 2 = 8$
14. अधोलिखितेषु सप्तवाक्यानां संस्कृतेऽनुवादो विधेयः —  $7 \times 1 = 7$
- (i) मनुष्य समाज का एक अंग है ।
  - (ii) कर्मशील मनुष्य उत्तम फल पाता है ।
  - (iii) विद्वानों की संगति से मूर्ख भी प्रबोध हो जाते हैं ।
  - (iv) विद्यालय और समाज में सर्वत्र अनुशासन की आवश्यकता है ।
  - (v) विनाश के समय बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है ।
  - (vi) नदियाँ स्वयं अपना जल नहीं पीतीं ।
  - (vii) राक्षसों की छाया भय उत्पन्न करती है ।
  - (viii) खाना-पीना जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है ।
  - (ix) विद्या से ज्ञान बढ़ता है ।
  - (x) सज्जनों के आचार को शिष्टाचार कहते हैं ।
15. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमवलम्ब्य 200 शब्देषु निबन्धं लिखत — 6
- (i) आचारः परमो धर्मः;
  - (ii) पर्यावरण संरक्षणम्
  - (iii) संस्कृतेन हि संस्कृतिः;
  - (iv) अम्बिकादत्त व्यासः ।
-